

DPN 6168

Title : जनकोया विधि व चचा JANAKOYĀ VIDHI WA CACĀ

Run. No. 6859

Cat. No.

Micro. No.

Subject Ritual and caca

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. / New. / Maith. / New. / New. / Nep. /

Size in cms. 16.5 x 6.3

Folios 13

Lines (in a page) 6/7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्ररत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS 653

Ruler / place

Phanindra Ratna

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Bajracharya

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Complete - Janakoya Vidhi

Incomplete - caca and Vasudhara
Vrata Vidhi.

* नमो बुद्धाय ॥ जनकोया विधि ह्याय ॥ थाप्रये जोरन ॥

ॐ सुभक्तस्तु ॥ सन्वत् ६५३ पौष सुद्धि १४ च कुन्ड वस्पतिवाल ॥ श्री वसुधारा धर्म
धर्म विधि बोधा ॥ शुभ ॥

१॥ वंद्यं हि बलम् ॥ मयी य आदि वृद्ध्यामं हरकृमावा
२॥ त्वं विद्वंतां मयमम श्रमात्मा ॥ ककुमनु विना सव विन विवम
३॥ सुन्या गतिल कनु न विहा ॥ विमम विमम कया लिगमन म सु र वि
४॥ विमा यित शो वगसु मा यरु ॥ समलपुमादि विद्व्यानां धरुन
५॥ नवगान यने वकुलिमा ॥ ॥ नममलाद ॥ वृद्ध आगामु लसिद
६॥ नासने २ वरु जति लोचन उदने ॥ नमामि र शो आगामु लहाने शुवि

६१. जनकोया विधि व चचा

पदराणी दुरल वजाचा

या २ युह सिगका भङ्गा लज्जालि मन ॥ दहिन कलसल वाम ५
भन् ५ ल २ कु वयाग वज्जय ७ उ ला ना ॥ वज्जय किनि ध्या वता कि
नि २ व गालता किनि व दानता किनि ॥ सि धिनी व्या धि नि ३ ५
व क ड फ कि नि २ ता किनि दि यि नि व व सि व वा ज्ञ नी ॥ हि नि रु न
वृक्षा ०० न्य उ र्मु न न ल २ ३ ॥ आ ग म्ब ल व नि ग व ल न ॥ ना ग
य व स म ॥ कलि न व ता न व न वि स शि क व ग डा व यी डा का

लभा द क पी २ कु ७ उ र्था ल गिरु व ली ना य यि स यि डि न स
गि वि द ल यी ॥ य न मा न द स क ति व ॥ धा धि य ३ ॥ म
श्री व ज्ञा २ ७ ५ ॥ क ली स क म ल र ॥ सह डा ड य न न
व ग र ली ग हि २ ३ ॥ य म र व य ग र उ ॥ न म क ग ॥ श्री लि क क
सि गान न द हि न व मी ॥ वि र द म ७ ला य नि व ज य क क
क क माल न ग न य क्ता वि ग्रा २ व ज ख म स व द हि न क व धा सी

अन।
कमद्य ॥ यल वाय धानाः ॥ विविउल ललन विरु विन
रुल यि ॥ कनर निरुय ॥ सत ग्रुव न ॥ कमल सुदान
सा नि य व मानि नाय दः ॥ नाग के ल वि ॥ विवि ह वि ह न न मान वि ॥ सि
व द न ॥ दे व न न अ सु ल ग ॥ रु व न हि न क न न ॥ ना र्थ न न सा मि थि
स स ल वी ना ॥ व ड डी गी नि वा ति थ सा स ल स ग ॥ गा ना ॥ व ड डी वा ना
हि आ लि ड न क न ॥ रु ति स वी न ॥ स न स न स वी ना ॥ गा क ड ह

न वि स मा सु रु ष के ॥ क न न न न ला य न ला य रि ष न ॥ दा द ॥ रु ड
वा ली न ॥ वा नि व व द न ॥ नी न स हा व गाय न पु ली ना ॥ यु रु ल स
क रु ड सा ॥ त्य धा लि ॥ यु वा व ड डी ला न स थाय न ॥ वि नि स र्वा ना
ला स ग ॥ यु रु क ॥ वि रा स थ ॥ ल लि रु ॥ यु ड नि ॥ ना ग के ल
वि ना न मा मि ॥ गी नि र्वा ल ॥ व ड डी स व ल वि श्व क नि स ड ना ॥ य व
व क ॥ क या ना ल कृ न सा रि न न र स र व नि ल न न ना ग ना द ॥ २

सयत्रविद्यायिनकं गामना सत्वड द्वयनशीर्षं म्वला ॥ नमामि १३
जवनमीविलुषिग व्याधुवनमीषठसूडा १ गारालिजनश्रुदय समा
मिवजद्य १४ अलिरुयई ॥ नमामि १ अलिकालिखवायिन द्वादशा लुकु
कुवनं १४ ला १ उमल एकमि यजसू गिसूना ख द्वाक कया ना या
सव क सिला ॥ नमामि १ वहु विंशति यि १४ श्वन विश्वविया यिन मि
लावाना १ गुगि वल गिग सुहा कथ नसा लुकु य द्वा न ल १४ ला १
सिवा अगि व १४ द न यनी के स ना या १ लु व पे नी य द्वा स मि ने न १४ द व

नागनामकनि ॥ किन वल गन य लु वन शी काया गल निला सयि नि नू मनी
१ नी या व स १४ ल सा अ स गि रु ग किल ने द्वा ग न स १४ ल सा अ स नि ना
॥ नि १४ गि गं मिया १४ व ग न या १४ व य न स मि व ग स ली क १४ व द व
१४ गि क स ल विलुषिग ना वि या १४ वा स क स ल व न हा १४ १४ पु क स स ल न
ला गी ग क १४ डा रि द्वा १४ ख ल य ल १४ ॥ १४ १४ क कि का या रु कि न स ली
१४ व ग स ली क १४ व ल द व १४ न स मि १४ न १४ द व स र्ग म क या ना १४ न्या ॥

01

ת

नामाना विहाय बलि जाल २ ताकिनादा विनीय विरक वाजि धा यगा मक गाल
वदनी ॥ सि हिनी वाघिणी डी वकी डल किनी खदी गय नगु मु कू म द पु ह
मा २ वज ठा किनी धा नव गाल ताकिना च उत ताकिनी वतु न देवी ॥ जिन जननी द
विना किमि तु ड क य म प ल य मू ड ल प न डू षीणी २ ख पु ग र व ड क य न शु व ड
य लु मी वा प्र य न म ड व नी हान देवी ॥ ॥ फल मी नु क म ज चार्य

॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥

॥ १०१॥ ॥ १०२॥ ॥ १०३॥ ॥ १०४॥ ॥ १०५॥ ॥ १०६॥ ॥ १०७॥ ॥ १०८॥ ॥ १०९॥ ॥ ११०॥ ॥ १११॥ ॥ ११२॥ ॥ ११३॥ ॥ ११४॥ ॥ ११५॥ ॥ ११६॥ ॥ ११७॥ ॥ ११८॥ ॥ ११९॥ ॥ १२०॥ ॥ १२१॥ ॥ १२२॥ ॥ १२३॥ ॥ १२४॥ ॥ १२५॥ ॥ १२६॥ ॥ १२७॥ ॥ १२८॥ ॥ १२९॥ ॥ १३०॥ ॥ १३१॥ ॥ १३२॥ ॥ १३३॥ ॥ १३४॥ ॥ १३५॥ ॥ १३६॥ ॥ १३७॥ ॥ १३८॥ ॥ १३९॥ ॥ १४०॥ ॥ १४१॥ ॥ १४२॥ ॥ १४३॥ ॥ १४४॥ ॥ १४५॥ ॥ १४६॥ ॥ १४७॥ ॥ १४८॥ ॥ १४९॥ ॥ १५०॥ ॥ १५१॥ ॥ १५२॥ ॥ १५३॥ ॥ १५४॥ ॥ १५५॥ ॥ १५६॥ ॥ १५७॥ ॥ १५८॥ ॥ १५९॥ ॥ १६०॥ ॥ १६१॥ ॥ १६२॥ ॥ १६३॥ ॥ १६४॥ ॥ १६५॥ ॥ १६६॥ ॥ १६७॥ ॥ १६८॥ ॥ १६९॥ ॥ १७०॥ ॥ १७१॥ ॥ १७२॥ ॥ १७३॥ ॥ १७४॥ ॥ १७५॥ ॥ १७६॥ ॥ १७७॥ ॥ १७८॥ ॥ १७९॥ ॥ १८०॥ ॥ १८१॥ ॥ १८२॥ ॥ १८३॥ ॥ १८४॥ ॥ १८५॥ ॥ १८६॥ ॥ १८७॥ ॥ १८८॥ ॥ १८९॥ ॥ १९०॥ ॥ १९१॥ ॥ १९२॥ ॥ १९३॥ ॥ १९४॥ ॥ १९५॥ ॥ १९६॥ ॥ १९७॥ ॥ १९८॥ ॥ १९९॥ ॥ २००॥

11212
11212 11212

गङ्गा मा का र्ति विरु न ध य धा र्त्त ॥ कुरु वः सर्व स र्त्त ॥ सि
हि द लाय धा न्ग ॥ गङ्गा ध व द्ध विषय यून ना ग स ना य वः ॥ क
षा ड व द्ध स लु ल स ॥ विरु न ॥ ० ॥ विरु नि धा व र्त्त धा न विरु वि
वि स सा फ ॥ स र्त्त स र्त्त ॥ स र्त्त ग ॥ ३ धा र्त्त स र्त्त दि १४ ॥ ध क द्ध
व र्त्त नि बाल ॥ धा व र्त्त धा न ध र्त्त वि वि धा या ॥ ध र्त्त ॥
॥ गङ्गा क र्ति ना क या र्त्त नि क द्ध या ध र्त्त द्ध ला ॥ ध र्त्त द्ध र्त्त ॥ ध र्त्त स
लु ल ॥ दे र्त्त नि धा र्त्त स ध य या द्ध व दि व स र्त्त स र्त्त काले न या न ध य ॥

दे व स र्त्त य र्त्त न ध र्त्त नि य नी ॥ ध र्त्त स लु ल ॥ दे न क ॥ ध र्त्त स लु ल विरु न
न मा च का व ध र्त्त नि या क स र्त्त न र्त्त काले न ग या न ॥ नि र्त्त न ॥ विरु न न ग य ॥ गङ्गा
स र्त्त र्त्त न ग य क ॥ व र्त्त क क स र्त्त स र्त्त न य य का व ॥ ध र्त्त ग ध र्त्त स र्त्त य क ॥ ध
रु न र्त्त य क ॥ ध र्त्त ध र्त्त न द्ध व ॥ व र्त्त न न मा द्ध स र्त्त य र्त्त य र्त्त धा न ॥ ध र्त्त का दि न
स लु ल ध र्त्त न क ॥ स र्त्त न र्त्त न क ॥ दे व स र्त्त स र्त्त न ॥ दे र्त्त न य र्त्त न
॥ ध र्त्त नि क क ॥ धा र्त्त नि वा द्ध र्त्त न

हनुमाय नमः जनकाया विविधाय नमः आयुष्ये जायते नमः कनकाय नमः १ मंगल
१ १ कुङ्कुम रुद्राय नमः १ गङ्गाय नमः १ जनकाय नमः १ सियमिनिया
गलसहिगन वयावा चल्या लान तिसा गामा शकलगा थायुयन ॥ दि
दिवनिया १ थुगि थायुय १ वृणादाव यडाइय ॥ नकसठ वाय ॥ गुनुस
दल ॥ नरववलीविगाइन ॥ सिधुग स्वानगानक रुकाय ॥ लषवनीछ
य ॥ धनदे गुदिइय ॥ जाय ॥ वलीमाल ॥ थुगीधु १ हाव ॥ कलसयडा
कलसस ॥ यनाययडा ॥ कुङ्कु रुद्रा १ सकयडा ॥ ॥ थुगीधुन हावडा

१८

नकायाय नमः वालभास्व ॥ सागीकसस्वन्य ॥ गुनुसदय ॥ पिनक विगाइन
न स्वान १ रुद्रक ॥ निनाइन ॥ गुय ॥ गाठवा ॥ लीन ॥ नगावक ॥ कनस
लिधक विय ॥ धनरुलय १ १ ॥ सियमिनि १ गावक ॥ आगन ॥ रुद्रक
॥ द्रक ॥ १ ॥ आसमापिकुल ॥ डि १ ॥ युनयि १ ॥ नै ॥ स्वाहा ॥ नासिवक ॥
थनडा १ काकील्या ॥ धन ॥ यली ॥ ली ॥ गावक ॥ कासकायक ॥ लहनरिचक
॥ वल्या १ ॥ लालनडावक ॥ जारुनगावक ॥ आग १ ॥ रुद्र १ ॥ क ॥ हाथल
१ ॥ के ॥ नासिवक ॥ हाथाल १ ॥ धसकुन ॥ १ ॥ दिव्या १ ॥ साविडा ॥ ल ॥ यिल

0

7

01

七

